HIN3B14b_cours-04-2013-02-19-Le-lexique-du-Hindi

हिन्दी शब्दावली (Le lexique du hindi)

1. तद्भव (= संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी)

तद् = उससे, भव = उत्पन्न। अर्थात ऐसे शब्द जो संस्कृत से प्राकृत, फिर प्राकृत से अपभ्रंश तथा बाद में अपभ्रंश से हिन्दी में पहुँचे। यानी संस्कृत से पैदा हुए। यह हिन्दी की विशेषता है। बँगला में तद्भव शब्द हिन्दी से कम हैं।

	संस्कृत		प्राकृत	अपभ्रंश		हिन्दी
(a)	अद्य (aujourd'hui)	→	अज्ज →	– –	→	आज
	adya		ajja			āj
(b)	कर्म (action)	→	कम्म →	– –	→	काम (travail)
	karma		kamma			kām
(c)	हस्त (main)	→	हत्थ →	– –	→	हाथ
	hasta		httha			hāth

2. तत्सम (= संस्कृत ⇔ हिन्दी)

- तत्सम = उसके समान (तत् = उसके, सम = समान),
  अर्थात शब्दों का जैसा रूप संस्कृत में था वैसा ही हिन्दी में।
- सभी नई भारतीय आर्यभाषाओं में तत्सम शब्द मिलते हैं।
- आरंभिक हिन्दी में कम थे लेकिन आजकल ज़्यादा हैं।
- बँगला में सबसे ज़्यादा
- तमिल, तेलुगु, कन्नड़ तथा मलयालम में भी तत्सम शब्द
- तत्सम शब्दों का उच्चारण – बालक, मुनि, कवि, गुरु, दण्ड (दंड)

3. अर्द्धतत्सम (अर्धतत्सम)

	संस्कृत		प्राकृत		हिन्दी
3.1	कृष्ण	→	कण्ह	→	कान्ह, कानू (बँगला)
3.2	कृष्ण	⇔	कसण	→	किशन

4. देशी (देशज)

1. संस्कृत और प्राकृत में कुछ शब्द ऐसे हैं जिनकी व्युत्पत्ति संस्कृत-धातुओं तथा प्रत्ययों के आधार पर नहीं दी जा सकती। केवल अनुमानिक व्याख्या दी जाती है।
2. भारत के आदिवासियों की भाषाओं से संस्कृत, प्राकृत तथा नव्य आर्यभाषाओं में आए हैं। लगभग 450 ऐसे शब्दों की खोज की गयी है। मसलन, काल, कला, पुष्प, पुष्कर, अणु, पूजा, मयूर, वाण आदि। हिन्दी में ये प्राकृत के माध्यम से आये हैं।
3. इसके अलावा कई शब्द ऐसे हैं जिनकी कोई व्युत्पत्ति नहीं दी जा सकती। इन्हें भी देशी कहा जाता है।

5. हिन्दी में विदेशी-शब्द

मिना (बेबिलोनीय) → मन (हिन्दी 40kg)
रोध (सुमेरीय) → रुधिर, लौह (संस्कृत) → लोध → लोह (हिन्दी), लहू (ब्रज)
पोस्त (पुरानी फारसी) → पुस्तक (हिन्दी)

5.1 फारसी (अरबी)

लगभग 3000-4000 शब्द, आदमी, औरत, बच्चा, हवा, आसमान, ज़मीन, आहिस्ता, देर, मालूम, शर्म, कसूर, गुस्सा, सिपाही, फौज, मौज, मजा, मुर्दा, हिसाब

फ़ारसी ख़ुदा (= संस्कृत स्वधा) vs अरबी अल्लाह vs अवधी कर्तार गुसाईं

5.2 तुर्की

उर्दु → उर्दू, बोग्दीर → बहादुर, कैंची, कुली, गलीचा, चाकू, तोप, दरोगा, बीबी, बेगम, लाश, सौगात

5.3 पुर्तगाली

वास्को-दे-गामा 1497 कलीकट,
1510 में गोवा पर अधिकार,
बाद में महाराष्ट्र और गुज़रात पर अधिकार,
1537 में बंगाल में,
हिन्दी में शब्द सीधे नहीं बल्कि बँगला के माध्मम से
अनानास, अल्मारी, अचार, आलपीन, कमीज़, कप्तान, कमरा, गोभी, गोदाम, चाबी, पिस्तौल, बाल्टी, सन्तरा

5.4 डच – चिड़ी, तुरुप,

5.5 फ्रेंच - कार्तूस, कूपन, अंग्रेज़

5.6 अंग्रेज़ी – लालटेन, स्टेशन, टिकट, डाक्टर, रसीद, माचिस, मास्टर, पास, फेल, फोटो, जज, सिगरेट, साइंस, रोड, रेल आदि